युवराज
न्यूज़ टुडे
आपकी आवाज़
RNI:- BIHHIN05409
राष्ट्रीय हिन्दी पाक्षिक
www.newstodayupdate.in

वर्ष : 06 अंक : 08+01 तिथि : 01 मई 2020 मूल्य : निःशुल्क प्रधान संपादक : डा. राजेश अस्थाना – 9471005272,

email: newstodaymth@gmail.com website : newstodayupdate.in

न्यूज़ टुडे लॉक डाउन स्पेशल रोजाना अंक

राज्य में 22 और कोरोना पॉजिटिव मिलने के बाद बिहार में कोरोना मरीजों की संख्या बढ़ कर 425, राज्य में 87 मरीज स्वस्थ होकर घर लौटे

डा. राजेश अस्थाना,
एडिटर इन चीफ,
न्यूज टुडे मीडिया

बिहार की राजधानी पटना के दो और मुहल्लों में भी कोरोना का संक्रमण फैल गया है. गुरुवार को राज्य में 22 और कोरोना पॉजिटिव मिले, जिनमें पटना के मीठापुर और मजिस्ट्रेट कॉलोनी के दो लोग शामिल हैं. इसके साथ ही पटना में कोरोना मरीजों की संख्या बढ़कर 44 हो गयी है. पटना के अलावा रोहतास में 11, सीतामढ़ी में चार, मुंगेर में तीन और सारण में दो नये केस मिले हैं. इससे बिहार में कोरोना मरीजों की संख्या बढ़ कर 425 हो गयी है. मीठापुर में कोरोना पॉजिटिव पाया गया 32 वर्षीय युवक आइजीआइएमएस के रेडियोलॉजी विभाग में तकनीशियन है. वह पत्नी और दो बच्चों के साथ रहता है. साथ ही वह एक सहकर्मी के साथ बाइक से आइजीआइएमएस आता–जाता था. 26 अप्रैल को अपना सैंपल जांच के लिए देकर वह 28 अप्रैल तक ड्यूटी करता रहा. 28 अप्रैल के बाद वह होम क्वारेंटिन में था. वहीं, मजिस्ट्रेट कॉलोनी में पॉजिटिव पाया गया 45 वर्षीय व्यक्ति कटिहार में कृषि विभाग में काम करता है. वह छुट्टी में घर आया था, तभी लॉकडाउन में फंस गया. अब जब उसे ड्यूटी पर जाना था, तो उसने हेल्थ रिपोर्ट के लिए आइजीआइएमएस में कोरोना जांच करायी, जिसमें वह पॉजिटिव निकला. स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव संजय कुमार ने बताया कि रोहतास जिले में जो 11 नये केस मिले हैं, उनमें 10 पुरुष हैं और एक महिला है.

सीतामढ़ी जिले के झुकटी बोखरा गांव में चार पॉजिटिव पाये गये हैं, जिनमें 32, 41 व 42 साल के तीन पुरुष और 38 साल की एक महिला है वहीं, मुंगेर के जमालपुर सदर बाजार में 14, 16 व 40 साल के तीन पुरुष पॉजिटिव पाये गये हैं. इसके अलावा सारण जिले के नजिबा की 35 वर्षीया महिला और सोनपुर के 62 वर्षीय बुजुर्ग पॉजिटिव पाये गये हैं. 22 और मरीज हुए डिस्चार्ज, अब तक 87 घर लौटे.

स्वास्थ्य सचिव लोकेश कुमार सिंह ने गुरुवार को बताया कि 24 घंटे में 22 लोग ठीक हुए. अब तक राज्य में 87 मरीज स्वस्थ होकर घर लौट चुके हैं. एनएमसीएच से 20 लेगों को डिस्चार्ज किया गया, जबकि दो को सीवान के अस्पताल से छुट्टी दी गयी. इनमें मुंगेर के सात, नालंदा के सात, बक्सर के चार, सीवान के तीन और पटना का एक मरीज है.

एनएमसीएच के अधीक्षक डॉ निर्मल कुमार सिन्हा व एपिडेमियोलॉजिस्ट डॉ मुकुल कुमार सिंह ने बताया कि नोडल चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अजय कुमार सिन्हा व सहायक नोडल चिकित्सा पदाधिकारी डॉ किशोर कुमार सहयोगी व जूनियर डॉक्टरों की उपस्थिति में 20 मरीजों को एक्सरे व आवश्यक जांच कराने के बाद छुट्टी दी गयी. सभी को 14 दिनों तक होम क्वारेंटिन और हाथ धोने की आदत अपनाने का निर्देश दिया गया है. एनएमसीएच में ठीक होने वाले मरीजों की संख्या अब 54 हो गयी है.

एनएमसीएच से जिन्हें छुट्टी मिली, उनमें मुंगेर के जमालपुर सदर बाजार के 28 वर्षीय मो जावेद, 52 वर्षीय शंकर राम शर्मा, 36 वर्षीय मो पप्पू, 31 वर्षीय मो एकराम, 36 वर्षीय मो जुम्मन, 30 वर्षीय मो नौशाद व 60 वर्षीया महिला रेहाना खातून, सीवान का 20 वर्षीय अजरुन कुमार दुबे, पटना के फुलवारीशरीफ का 60 वर्षीय मो अब्दुल राशिद, नालंदा के बिहारशरीफ की 19 वर्षीया आयशा, 60 वर्षीय आफताब आलम, 60 वर्षीय भाई सरफराज आलम, 50 वर्षीयस आलिया परवीन व मो गुलाम मुस्तफा और बक्सर के नया भोजपुर के 32 वर्षीय मो इरफान, 60 वर्षीया मुमताज आलम, 50 वर्षीय नियाज आलम, 39 वर्षीया नसीमा खातून और उसकी दो बेटियां 12 वर्षीय अफरीना खातून व फरदीना खातून शामिल हैं.

'बाल श्रम उन्मूलन दिवस' व "अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस" पर बाल मजदूरी उन्मूलन एवं उनके पुनर्वास को दर्शाती टेलीफिल्म "कल के भविष्य"

रिंकू गिरी,
स्थानीय संवाददाता

"बाल श्रम उन्मूलन दिवस" एवं 01 मई "अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस" पर विशेष

30 अप्रैल को "बाल श्रम उन्मूलन दिवस" एवं 1 मई "अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस" के रुप में मनाया जाता है राज्य सरकार ने बाल श्रम उन्मूलन भी मुक्ति एवं पूर्ण आवास हेतु राज्य कार्य योजना को मंजूरी दी है जिसके अंतर्गत 14 वर्ष से कम उम्र के बाल श्रमिकों को भी मुक्त कराकर सरकार द्वारा उनका पुनर्वास किया जा रहा है। इसकी परिकल्पना बिहार के चर्चित फिल्म लेखक, अभिनेता व निर्देशक डा. राजेश अस्थाना ने वर्ष 2003 में ही करते हुए बाल मजदूरी उन्मूलन एवं उनके पुनर्वास को दर्शाती टेलीफिल्म "कल के भविष्य" का निर्माण कर उन तमाम बाल मजदूरों को समर्पित किया, जो जीवन पथ पर बाल मजदूरी करने को विवश हुए हैं।

महामहिम राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी द्वारा प्रशंसा पत्र प्राप्त टेलीफिल्म "कल के भविष्य" युवराज मीडिया एण्ड एंटरटेनमेंट द्वारा प्रस्तुत है। यह प्रोडक्शन सामाजिक सरोकारों से जुड़ी समस्या और समाधान हेतु लब्धप्रतिष्ठित संस्था के रूप में प्रसिद्ध है।

डा. राजेश अस्थाना द्वारा लिखित अभिनीत एवं निर्देशित, निर्माता सीमा रानी की फिल्म "कल के भविष्य" में तीन आईएएस अधिकारी रवि परमार मनुभाई, भरत कुमार दुबे, अजय कुमार पाण्डेय, एक आईपीएस डा. कमल किशोर सिंह, छः बीपीएस पदाधिकारी डी एन मेहता डीडीसी, गणेश प्रसाद एडीएम, बिहारी दास एसडीओ के अलावे युवराज, संध्या रानी, धामा वर्मा, डी आनंद, स्व. अरविंद पाठक, पप्पू गुप्ता, सुधीर कुमार, सम्राट,अभिनव आकर्ष समेत दर्जनों कलाकारों ने अभिनय किया है। फिल्म के छायाकार एस के मन्नू, संप. ादन रौशन जमाल, संगीत सत्यजीत शरण तथा निर्माण सहयोग तत्कालीन जिलाधिकारी एस शिवकुमार आईएएस का है। फिल्म की सम्पूर्ण शूटिंग मोतिहारी और आसपास हुई है।

गौरतलब है कि पिछले दिनों बाल मजदूरी उन्मूलन एवं उनके पुनर्वास को दर्शाती टेलीफिल्म "कल के भविष्य" से हुई कमाई से मोतिहारी के दर्जनों बाल मजदूरों के अभिभावकों को स्वरोजगार कराया गया जो आज भी मिशाल है।

इस दिवस पर डा. अस्थाना ने बताया कि 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को नियोजित करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई का प्रावधान है और आज बाल श्रम उन्मूलन दिवस के अवसर पर राज्य के सभी नागरिकों से अपील है कि वे यह संकल्प ले कि 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चे से काम नहीं लेंगे उन्हें विद्यालय भेजने तथा पढ़ने लिखने हेतु प्रोत्साहित करेंगे तथा अपना समर्थन एवं सहयोग देकर बाल उन्मूलन अभियान को सफल बनाएंगे।

बिहार के उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने केंद्र सरकार से दूरस्थ सभी राज्यों में फंसे बिहार के लाखों लोगों को अपने घर तक पहुंचने के लिए विशेष नॉन स्टाप ट्रेनें चलाने की मांग की

आशीष राज,
स्थानीय संपादक, न्यूज टुडे

बिहार सरकार ने राजस्थान के कोटा समेत दूसरे राज्यों में फंसे बिहार के लोगों को घर आने के लिए सीमावर्ती जिलों में बसें तैनात कर दी हैं. छात्र, मजदूर व अन्य लोगों के बिहार की सीमा पर पहुंचने पर सभी की प्रारंभिक स्क्रीनिंग की जायेगी. इसके बाद उन्हें बसों से गृह प्रखंड तक लाया जायेगा. इधर, उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने केंद्र सरकार से दूरस्थ सभी राज्यों में फंसे बिहार के लाखों लोगों को अपने घर तक पहुंचने के लिए विशेष नॉन स्टाप ट्रेनें चलाने की मांग की है. उन्होंने कहा है कि केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान जैसे राज्यों से लोग बसों से नहीं लाये जा सकते हैं. इसमें महीनों लग जायेंगे. इसके लिए खाने–पीने की सुविधा के साथ ट्रेनें चलायी जाएं.

सभी अधिकारियों के मोबाइल नंबर जारी

वहीं, राज्य सरकार ने दूसरे प्रदेशों से आने वाले लोगों को सुविधाएं दिलाने के लिए आपदा प्रबंधन विभाग के प्रधान सचिव प्रत्यय अमृत को नोडल अधिकारी घोषित किया है. इसके बाद प्रत्यय अमृत ने भारतीय प्रशासनिक सेवा, पुलिस सेवा व बिहार प्रशासनिक सेवा के चुनिंदा 19 अधिकारियों को विभिन्न राज्यों से आने वाले लोगों की सहायता करने के लिए नोडल अफसर नियुक्त किया है. सभी अधिकारियों के मोबाइल नंबर जारी करते हुए उन्हें राज्य आवंटित कर दिये गये हैं. साथ ही संबंधित राज्यों के नोडल अफसर के साथ संपर्क कर बिहार आने वाले लोगों को सहायता प्रदान करने की जिम्मेदारी तय की गयी है.

14 दिन तक क्वारेंटिन किया जायेगा

आपदा प्रबंधन विभाग ने कहा है कि जो भी लोग बिहार की सीमा तक पहुंचेंगे, उनकी तत्काल स्क्रीनिंग की जायेगी और स्वस्थ पाये जाने पर उन्हें मेडिकल रिकॉर्ड के साथ गृह प्रखंड तक भेजा जायेगा. पहले जिला मुख्यालय और फिर वहां से गृह प्रखंड तक ले जाया जायेगा, जहां उन्हें 14 दिन तक क्वारेंटिन किया जायेगा. इसके लिए प्रखंडों में एक हजार भवनों को क्वारेंटिन सेंटर बनाया गया है.इस मामले में गृह और सामान्य प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव आमिर सुबहानी ने कहा कि लोगों को बाहर से लाने के लिए राज्य सरकार की तरफ से फिलहाल कोई इंतजाम नहीं किया गया है. लोग अपने बलबूते अगर यहां तक आ जाते हैं, तो राज्य सरकार उन्हें तमाम सुविधाएं देगी. बाहर फंसे लोगों को किसी तरह की समस्या होती है, तो उनकी मदद के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति कर दी गयी है.

दूसरे राज्यों में बड़ी संख्या में बिहारी हैं फंसे

डिप्टी सीएम सुशील कुमार मोदी ने एक वीडियो संदेश जारी कर कहा है कि बिहार के बाहर बड़ी संख्या में लोग फंसे हुए हैं. बसों से दूर के शहरों से लोगों को लाना संभव नहीं होगा . गुजरात के सूरत, पोरबंदर के अलावा महाराष्ट्र समेत अन्य दूर के स्थानों से आने में पांच–छह दिन लग जायेंगे. उन्होंने केंद्र सरकार से इन लोगों को लाने के लिए खासतौर से नॉन स्टॉप स्पेशल ट्रेनें चलाने की मांग की है.

उन्होंने बताया कि एक–एक हजार रुपये की योजना का लाभ लेने के लिए 27 लाख प्रवासी बिहारियों ने आवेदन किया है. इनमें सबसे ज्यादा दिल्ली से पांच लाख से ज्यादा लोगों ने आवेदन किया है. इसके अलावा महाराष्ट्र से 2.68 लाख, कर्नाटक से एक लाख, गुजरात से दो लाख से ज्यादा लोगों ने आवेदन किया है. इससे बाहर फंसे लोगों की संख्या का पता चलता है.

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने प्रखंडों में क्वारेंटिन सेंटरों का बंदोबस्त किया है. जो लोग बाहर से आयेंगे, उन्हें समुचित सुविधा के साथ यहां रखा जायेगा. सिर्फ केंद्र सरकार उन्हें आने के लिए स्पेशल ट्रेनों की व्यवस्था कर दे.

शुक्रवार सुबह तक देश में कोरोना के कुल 35043 मामले, इसमें से 1147 लोगों की मौत, 25007 एक्टिव केस जबकि 8889 लोग कोरोना संक्रमण से हुए ठीक

ई. युवराज,
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,

कोरोनावायरस का कहर देश–दुनिया में जारी है. भारत में लॉकडाउन की अवधि खत्म होने को है मगर हर रोज नये मामले बढ़ते जा रहे हैं. स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, देश में कोरोना के कुल मामले 35 हजार पार कर चुका है. शुक्रवार सुबह तक देश में संक्रमण का कुल आकंड़ा 35043 है. इसमें से 1147 लोगों की मौत हो चुकी है.

आज श्रम दिवस है. देश के महाराष्ट्र राज्य में कोरोना संकट के बीच सियासी गरमी बढ़ी हुई है. महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने खुद को विधान पार्षद मनोनीत करने को लेकर राज्यपाल के फैसले पर असमंजस के बीच, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से इस मामले में हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है.

देश में कोरोना के मामले 35 हजार पार, 1147 की मौत

स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, देश में कोरोना के कुल मामले 35 हजार पार कर चुका है. शुक्रवार सुबह तक देश में संक्रमण का कुल आकंड़ा 35043 है. इसमें से 1147 लोगों की मौत हो चुकी है. 25007 एक्टिव केस है जबकि

मोतिहारी में पीएमएवाई की सूची में हेराफेरी से इनकार करने पर आवास सहायक की पिटाई

संतोष राऊत न्यूज टुडे,

कोरोना महामारी को लेकर हुए लॉकडाउन के दौरान सरकारी कर्मियों के साथ आम लोगों की ओर से किए जा रहे दुर्व्यवहार और मारपीट की घटनाएं लगातार सामने आ रही है. वहीं, पूर्वी चंपारण जिले के ढाका प्रखंड में आवास सहायक की ग्रामीणों ने पिटाई कर दी है.

सूची में हेरफेर से इंकार करने पर आवास सहायक को पीटा ढाका रेफरल अस्पताल में इलाज कराने पहुंचे आवास सहायक मो. अख्तर ने बताया कि पंचायत के मुखिया ने उसे बुलाया और प्रधानमंत्री आवास योजना की सूची में हेरफेर करके अपने चहेते को पहले आवास योजना की राशि दिलाने के लिए दबाव बनाने लगे. जिसका विरोध करने पर मुखिया ने अपने समर्थकों के साथ मिलकर मारपीट किया है.

बीपीएल कार्डधारियों को मिलता है पीएमएवाई से आवास

बता दें कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीपीएल कार्डधारियों को आवास निर्माण के लिए राशि मिलती है. जिसके लिए प्रखंड कार्यालय में आवेदन देना पड़ता है.

प्राप्त आवेदन की भौतिक सत्यापन के बाद लाभुकों की सूची बनाई जाती है और उसी सूची के आधार पर लाभुक को आवास निर्माण के लिए राशि दी जाती है. इसी सूची में उलटफेर करने का दबाव पंचायत के मुखिया आवास सहायक मो. अख्तर पर बना रहे थे. जिससे इंकार करने पर उनके साथ मारपीट की गई है.

रजि० कार्यालय : अष्ठाना निवास, मठिया जिरात, मोतिहारी-845401
समाचार एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें- 9471005272

Yuvaraj Media & Entertainment
बिहार विधानसभा चुनाव में डिजीटल प्रचार के लिए संपर्क करें:
Contact For Advt. (Still & Video), News: +91 9471005272, 8210595830